

nt>

12.06 hrs.

**Title: Regarding reported cases of Severe Acute Respiratory Syndrome (SARS) in the country .**

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** अध्यक्ष महोदय, देश में यह एक विशेष प्रकार का जो निमोनिया बुखार सार्स आ रहा है, यह बहुत गम्भीर मामला है। भारत सरकार अब तक कहती रही है कि सार्स का एक भी रोगी हिन्दुस्तान में नहीं है, लेकिन आज महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि तीन सार्स के रोगी भर्ती हुए हैं, जिनमें सार्स आइडेंटिफाई किया गया है अर्थात् तीन सार्स के रोगी महाराष्ट्र में पाए गए हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने कहा है कि 4 अप्रैल से सब इन्तजाम कर दिए गए हैं, लेकिन जो दिल्ली के महत्वपूर्ण अस्पताल हैं उनमें आवश्यक सुविधाएं नहीं हैं, उपकरण नहीं हैं, मास्क नहीं हैं। इस सबका परिणाम यह होगा कि उपचार ठीक प्रकार से नहीं हो पाएगा। सार्स का मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ रहा है जिसके कारण कल प्रश्न के एक लिखित उत्तर में नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया कि एयर इंडिया को 7 करोड़ 80 लाख रुपये का और इंडियन एयरलाइंस को 92 लाख रुपये का नुकसान हुआ है क्योंकि यात्री कम सफर कर रहे हैं। यह बहुत गम्भीर मामला है और सरकार को इस रोग को फैलने से रोकने के लिए तुरन्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। जो उपकरण आवश्यक हैं, वे उपलब्ध होने चाहिए, बड़े अस्पतालों में जो सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए थी, वे नहीं कराई गईं और आज महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री के बयान से यह सिद्ध हो गया है कि भारत में भी यह रोग आ गया है। यह बहुत गम्भीर मामला है। **â€¦ (व्यवधान)**

**SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ):** Mr. Speaker, Sir, the hon. Health Minister on the last day of the first half of the Budget Session made a very good statement on this and she also had elaborated on the arrangements that have been made to take care of this problem.

Mr. Speaker, Sir, I would like to appeal to all Members of the House, cutting across Party lines on this issue, that we should not unnecessarily create panic that would adversely affect the Indian economy and particularly the tourism sector. The care that should be taken by the respective State Governments in co-ordination with the Central Government should be more effectively implemented.

It is a fact that a few cases have been reported in places like Goa, New Delhi and Pune and those are being taken care of by the respective State Governments and the Union Government. What I would like to urge upon the Government of India today is that already three nations under the ASEAN and China have been badly affected by this disease and no less than the Prime Minister of Singapore has stated that it is the worst crisis in Singapore.

I do want that in India all the political parties, Members and the Government, cutting across the party-line, should not be swayed emotionally by the campaign and panic of SARS to such a degree that might endanger our own economy, understanding and tourism. At the same time, I appeal to the hon. Minister that in specific cases detected by Goa, Pune and Delhi, she may kindly inform in general as a caution. The Minister said in her last statement that good supportive treatment has been found effective in many cases. That particular supportive treatment – either the name of a capsule or other medicine – may be quietly communicated on the TV and media throughout the country, so that rumour mongers will not create any problem, and at the same time, healthcare will be taken to the extent possible. I would like to know from the Union Minister whether she has formed the kind of Control Room to monitor the whole thing right from the Airport immigration to Seaport immigration up to reporting to the State Government. That will suffice for the moment.

**श्री सुरेश रामराव जाधव (परमनी) :** अध्यक्ष महोदय, महाराष्ट्र में पुणे डिस्ट्रिक्ट में तीन सार्स के रोगी पोजिटिव मिले हैं। यह एक बहुत खतरनाक बीमारी है, इसलिए इसे रोकना जरूरी है। अभी रांची में एक संदिग्ध रोगी सार्स का पाया गया। हमारे शिवसेना के नेता चन्द्रकांत खैरे जी और हम सब सांसद हेल्थ मिनिस्टर, श्रीमती सुगमा स्वराज जी से 15 दिन पहले मिले थे। उनसे हमने निवेदन किया था कि यह जो खतरनाक विदेश की बीमारी हिन्दुस्तान में आई है, इसे रोकना बहुत जरूरी है। इसके लिए तुरंत उपाय करने की जरूरत है। इसके लिए हम सिविल एविएशन मिनिस्टर से भी मिले थे। **â€¦ (व्यवधान)** विदेश की बीमारी हमारे यहां फैल रही है। **â€¦ (व्यवधान)**

**अध्यक्ष महोदय :** जाधव जी, अब आप समाप्त कीजिए, मंत्री जी उत्तर देना चाहती हैं।

**â€¦ (व्यवधान)**

**श्री सुरेश रामराव जाधव :** अध्यक्ष महोदय, मैंने जीरो ऑवर में बोलने के लिए नोटिस दिया था। मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। **â€¦ (व्यवधान)** महोदय, इसके लिए तुरंत उपाय करना जरूरी है। मुंबई मेट्रोपोलिटन सिटी है और दिल्ली महानगर निगम है। विशेषतः महाराष्ट्र में तीन सार्स के रोगी मिले हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से हेल्थ मिनिस्टर से अनुरोध करूंगा कि सार्स की बीमारी को तुरंत रोकने के लिए जल्दी से जल्दी उपाय करें, अन्यथा यह बीमारी महामारी का रूप ले सकती है। **â€¦ (व्यवधान)** इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि इसके लिए पूरे साधन जुटाने चाहिए। **â€¦ (व्यवधान)**

**श्री राम नगीना मिश्र (पडरौना) :** अध्यक्ष महोदय, हमें भी बोलने का मौका दिया जाए। **â€¦ (व्यवधान)**

**अध्यक्ष महोदय :** क्या आप सार्स पर बोलना चाहते हैं?

**â€¦ (व्यवधान)**

**श्री राम नगीना मिश्र :** महोदय, हमारा इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण प्रश्न है। (व्यवधान)

**श्री सुरेश रामराव जाधव :** अध्यक्ष महोदय, मुंबई एयरपोर्ट में डाक्टरों और दवाइयों की भी कमी है। यह बहुत भयंकर बीमारी है। (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** जाधव जी, अब आप बैठ जाइए, मैंने आपको बहुत बोलने का मौका दिया है।

(व्यवधान)

**श्री सुरेश रामराव जाधव :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि यह जो खतरनाक बीमारी है, यह महामारी का रूप ले सकती है। इसलिए हेल्थ मिनिस्टर, भारत सरकार को इस पर जल्दी से जल्दी कदम उठाने चाहिए और इस महामारी को रोकने के लिए तुरंत उपाय करने चाहिए। (व्यवधान)

**SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST):** We have no doubt that one of the most efficient Ministers in the country, Shrimati Sushma Swaraj, is well aware as to how to tackle this problem. I was travelling from Singapore on 13<sup>th</sup> April. Sir, you will be shocked to know... (Interruptions)

**MR. SPEAKER:** Are you coming from Singapore? If you are coming from Singapore, then I should consider seriously whether you should be permitted to attend the House!

**SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY :** Sir, in the 'J' class of the Indian Airlines, there were only two passengers. Myself and my wife were travelling in the Indian Airlines from Singapore to Bangkok, and from Bangkok to Kolkata, there was a huge load because people were trying to come over from there.

Sir, the total system of medical treatment in the airports has to be strengthened because this disease is normally coming from different parts of Bangkok, Hongkong, Singapore and other affected areas.

I would urge the Government that they should be cautious from the very beginning because the Indian economy, as Shri Suman was saying, is really going to be affected or it might have been affected. The affected parts of the disease is totally a vacant land. I hope the hon. Health Minister would efficiently deal with the problem and succeed in the treatment process and report to the House... (Interruptions)

**MR. SPEAKER:** I am sorry to say that I would not allow many Members to speak on the issue.

... (Interruptions)

**SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM):** Sir, on behalf of my Party, I would like to associate myself with what Shri Dasmunsi and other Members who spoke on this issue.

**MR. SPEAKER:** Yes, you may associate with them.

**अध्यक्ष महोदय :** मंत्री जी, आप उत्तर दीजिए। There is no time because Calling Attention Motion has to be taken up now. So, you may reply right now. इनका भी नोटिस है, मैंने इनको भी इजाजत नहीं दी है।

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुमा स्वराज) :** अध्यक्ष जी, मैं चाहूंगी कि जितने सदस्यों का नोटिस है, आप सब लोगों को बोल लेने दीजिए। अगर सभी माननीय सांसदों को आप बोल लेने दें और उसके बाद मैं बोलू तो उनका समाधान हो जायेगा। फिर मैं आपके आदेश का अनुपालन करूंगी।

अध्यक्ष जी, मैं तो स्वयं चाहती थी कि जितने भी साथी सांसदों ने नोटिस दिये हैं, उन सब को समय मिल जाता, उसके बाद ही मैं अपनी बात कहती, ताकि उनका समाधान होता, लेकिन आपने पीठ से समय की कमी के कारण आदेश दिया है।

सार्स के सम्बन्ध में जो चिन्ता माननीय सदस्यों ने व्यक्त की है, सबसे पहले तो मैं उस चिन्ता से स्वयं को सम्बद्ध करती हूँ। जब अवकाश नहीं हुआ था तो अवकाश से पहले भी मैंने स्वयं अपनी ओर से सार्स के उम्र एक वक्तव्य दिया था। हमारे यहां लोक सभा में यह प्रक्रिया नहीं है कि वक्तव्य के उम्र प्रश्न पूछे जायें, लेकिन मैंने जान-बूझकर पीठासीन सभापति से यह कहा था कि अगर वे प्रश्न पूछने का मौका दें तो मैं विस्तृत तौर पर उसका जवाब भी दे सकूंगी। मुझे लगता है कि जो जवाब मैंने दिया था, उससे समाधान भी हुआ था।

आज मैं हृदय से श्री प्रियरंजन दासमुंशी जी का धन्यवाद करना चाहूंगी, जिन्होंने इस पूरे मामले को सही परिप्रेक्ष्य में रखा है। यह मामला ऐसा है, जिस पर चिन्ता प्रकट होनी चाहिए, चिन्ता का समाधान भी होना चाहिए, लेकिन अफरा-तफरी नहीं फैलनी चाहिए, पैनिक क्रिएट नहीं होना चाहिए, इसलिए मैं पहले अपने साथी सांसद श्री रामजीलाल सुमन जी से यह कहना चाहूंगी कि उन्होंने जो कहा कि सरकार यह कहती रही कि सार्स का एक भी केस नहीं आया, जबकि सार्स का केस आ गया है। सरकार तभी तक कहती रही कि सार्स का केस नहीं आया, जब तक केस नहीं आया और जिस दिन केस आ गया, उस दिन सरकार ने ही आगे बढ़कर कहा कि केस आ गया। मैं और सांसदों की जानकारी के लिए बता दूँ कि हमने तो यह तय किया हुआ है, यह प्रक्रिया बन गई है कि रोज शाम को पांच बजे हम मीडिया को अपनी ओर से अपडेटेड इन्फोर्मेशन देते हैं। ये जितने केसेज बाहर आ रहे हैं न, ये सब हमारे दिये हुए हैं। शाम को पांच बजे, बाकायदा एक कंट्रोल रूम बना है, जिसमें सारी इन्फोर्मेशन कलेक्ट होती है और रोज शाम को डी.जी.एच.एस. (डायरेक्टर जनरल, हेल्थ सर्विसेज) प्रेस कांफ्रेंस करते हैं और उसमें हम अपनी ओर से अपडेट देते हैं कि आज यह केस पोजिटिव पाया गया, इतने केस निगेटिव पाये गये। फलां जगह केस को आइसोलेशन में रख दिया गया, फलां को डिस्चार्ज कर दिया गया और नाम लिखकर एक पूरा प्रोफार्मा बना हुआ है, जो प्रेस वालों को बैठकर प्रेस विज्ञप्ति के तौर पर हम देते हैं। हम नहीं चाहते कि कोई भी जानकारी अटकलों के आधार पर आये या अंदाजों के आधार पर आये, इसलिए जितनी सूचना आप तक पहुंची है, वह सरकार के द्वारा दी गई है।

जब तक कोई केस नहीं हुआ था, हम कहते रहे कि केस नहीं हुआ। जिस दिन केस पोजिटिव पाया गया, सबसे पहले हमने बढ़कर कहा, बल्कि उस दिन मेरी अपनी

बाइट आई कि वह केस पोजिटिव पाया गया, वह प्राणिल वर्दे का केस था, गोवा का केस था और हमने बताया कि हमने उसे वापस बुलाकर आइसोलेशन में रख दिया, लेकिन यह केस ऐसे थे, जिनका ब्लड सैम्पल तो पोजिटिव पाया गया, लेकिन क्लिनिकली वे लोग ऐसे नहीं थे, जहां उनको बड़ी देर तक आइसोलेशन में रखा जाता, लेकिन जब उनको आइसोलेशन से हटाया गया तो भी यह कहा गया कि होम कोरुण्टाइन कर दिया गया। जैसे अभी सुदीप बद्योपाध्याय जी कह रहे थे कि मैं सिंगापुर से आया तो सब लोगों को यह लगा कि यहां कह दिया जाये कि इनको होम कोरुण्टाइन कर दिया जाये।

एक्चुअली इसमें इंकूबेशन पीरियड होता है जो दो से दस दिन का होता है। कोई व्यक्ति अगर ऐसी किसी जगह से आया है, जहां से उसे इन्फेक्शन हो गया है, तो उसे दो से दस दिन के बीच में यह बीमारी आ सकती है। इसलिए जब पराशील वर्धे का केस गोवा में आया, तब तक हम रिपोर्टिंग कंट्री थे। हमारे यहां लोकल ट्रांसमिशन नहीं हुआ था। यह पहला केस जो पुणे का आया, यह लोकल ट्रांसमिशन का केस बना। जिस श्री डी. सिल्वा को इन्फेक्शन था, बाद में उनकी मां और बहन को हुआ। लेकिन देखें कि कल भी उसमें कोई पैनिंग नहीं था। उस लड़की का विवाह होना था। विवाह में उन्होंने गैस्ट्स की संख्या कम कर दी। लेकिन विवाह हुआ। तब तक हमारे लोग, महाराष्ट्र सरकार की टीम बाहर खड़ी रही। उसके तुरंत बाद उनको वापिस ले जाकर आइसोलेशन वार्ड में डाला गया।

अध्यक्ष महोदय, सार्स के लिए दो तरह के प्रबंध चाहिए - एक जो लोग बाहर से आ रहे हैं, अब आप यह नहीं कह सकते कि हम सारी इंटरनेशनल फ्लाइट बंद कर दें क्योंकि केवल इनफेक्टेड कंट्री से लोग नहीं आ रहे हैं। जिन जगहों से लोग रहे हैं, उनमें से पता नहीं कौन इनफेक्टेड कंट्री से होकर आया है। वर्ना यह होगा कि पूरी की पूरी इंटरनेशनल फ्लाइट्स कम्प्लीटली बंद कर दी जाएं। अगर कोई व्यक्ति यू.एस.ए. से आ रहा है, यदि वह दस दिन पहले हांगकांग गया था, यदि आप यू.एस.ए. की फ्लाइट खुली रखेंगे तो हांगकांग का सार्स उसमें भी होगा। उसे आप टोटली बंद नहीं कर सकते। पहला प्रीएंटिव मेजर यह है कि हम एयरपोर्ट को स्ट्रैन्डन कर दें और वहां जो लोग आ रहे हैं, उनकी प्रॉपर स्क्रीनिंग हो। हमने अपनी ओर से बाकायदा हैल्थ ऑफिसर, मेडिकल ऑफिसर देकर उसे स्ट्रैन्डन किया है। उसकी स्क्रीनिंग स्वयं मेडिकल ऑफिसर कर रहे हैं।

मैं आपको बताऊं कि जितने केस आए हैं, उनमें से तीन केस ऐसे हैं जो स्वयं हमने एयरपोर्ट से अलग किए हैं। चाहे डेनियल मार्क का केस हो जो आर.एम.एल अस्पताल में आए थे, चाहे मारिया का केस हो, यह हम लोगों ने वहां से लिए क्योंकि उनको नोज रनिंग और हल्का फीवर था, इसलिए हमको लगा कि यह इंकूबेशन पीरियड हो सकता है। हालांकि उनका कोई क्लिनिकल सिम्टम डायरेक्ट सार्स का नहीं था। लेकिन हमको यह लगा कि इंकूबेशन पीरियड के लोग हो सकते हैं इसलिए हमने उनको सीधे एयरपोर्ट से लिया और आर.एम.एल. अस्पताल में रखा। उनके ब्लड सैम्पल लिए। जब उनके ब्लड सैम्पल नैगेटिव आए, तब हमने उन लोगों को भेजा। हम पहला काम यह कर रहे हैं कि हर एयरपोर्ट पर हर फ्लाइट अब केवल इन जगहों से आने वाले बल्कि हर फ्लाइट की स्क्रीनिंग मेडिकल ऑफिसर स्वयं कर रहे हैं। दूसरा यह है कि यदि तब भी कोई केस आ जाता है तो उसका ट्रीटमेंट आइसोलेशन वार्ड में हो। जैसे हमने कहा कि दिल्ली में तो आइसोलेशन वार्ड बनाए थे, पूरे हिन्दुस्तान में हमने हर मेट्रोपोलीटंस में जो इन्फेक्शियस डिज़ीज़ अस्पताल थे, उनको अलग से डैडीकेटेड अस्पताल बना दिए और बाकी में आइसोलेशन वार्ड में ट्रीटमेंट का इंतजाम कर दिया। यह जो पुणे वाला केस हुआ, उसके बाद एक और एहतियात बरतने की जरूरत यह आई थी कि अगर आप सैम्पल एन.आई.वी., नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में भेज दें जिसमें स्प्यूटम का सैम्पल आता है, थ्रोत स्वाब आता है, नेजल, यूरिन और ब्लड स्वाब आता है। जब हम वहां सैम्पल टेस्ट करते हैं तब हमें पता चलता है कि सार्स है या नहीं। अब हम लोगों ने प्राइमर भी बाहर से मंगवा कर अपने री-एजेंट बना दिए हैं। उन री-एजेंट के थ्रू हम सीक् वेंसिंग करके एग्ज़ैक्टली पता लगा पा रहे हैं। हमने सारे केसेस अपने आप पता लगाए हैं कि ये पॉज़िटिव हैं। यह हिन्दुस्तान की अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है कि एन.आई.सी.डी. और एन.आई.वी. के पास आज ऐसे प्राइमर उपलब्ध हैं जहां हमें न बाहर से कोई किट मंगानी पड़ती है, न सैम्पल बाहर भेजना पड़ता है, हम स्वयं सैम्पल टेस्ट करके उसकी सीक्वेंसिंग भी खुद कर लेते हैं और त्वरित तौर पर बता पाते हैं कि यह केस सार्स का है या नहीं। अब मैंने जो एक और एहतियात बरतने की बात की है, वह सिर्फ यह है कि जब तक सैम्पल न आ जाए, उसकी रिपोर्ट नैगेटिव या पॉज़िटिव न आ जाए, तब तक वे उस व्यक्ति को आइसोलेशन वार्ड से डिस्चार्ज न करें। उसके लिए मैंने स्वयं सारे हैल्थ मिनिस्टर्स की मीटिंग बुला ली है। परसों तीन बजे वह मीटिंग यहां है जहां एक और जिसे कहते हैं रैड ऐलर्ट दिया जाता है, उस तरह का रैड ऐलर्ट और और भी जो सावधानियां और एहतियात उन्हें बरतने हैं, वे स्वयं अपने स्तर पर सारे हिन्दुस्तान के हैल्थ सैक्रेटरीज़ को मैं स्वयं मिल रही हूँ और मैं सांसदों को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि जितनी तैयारी हमारी होनी चाहिए थी, यहां तक की डब्ल्यू.एच.ओ. ने भी यह कहा है कि बहुत ऐफिशिएंटली इंडिया सारी चीज को हैंडल कर रहा है। इस चिन्ता के लिए हमारे जो प्रयास किए जा रहे हैं, मैं सांसदों को जानकारी देना चाहती थी कि कोई चिन्ता की बात नहीं है, यह ठीक है कि सार्स एक महामारी है, तब भी देश अभी तक टोटली बचा था। अब केसेस रिपोर्ट जरूर हो गए हैं लेकिन उनका पूरा-पूरा समाधान हम कर रहे हैं और किसी तरह की कोताही, लापरवाही हमारी ओर से नहीं बरती जाएगी, इसके लिए मैं सांसदों को आश्वस्त करती हूँ।

SHRI K. YERRANNAIDU : Mr. Speaker, Sir, I would like to raise an important matter.

MR. SPEAKER: I have not yet started 'Zero Hour'. I have allowed the issue of SARS as an exceptional case. Now we have to take up Calling Attention.

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी सार्स के बारे में कुछ कहना है।

अध्यक्ष महोदय : जब दुबारा चर्चा होगी तब मैं मौका दूंगा। अभी बैठिए।

श्री मोहन रावले : मैं सिर्फ एक सवाल पूछना चाहता हूँ। (व्यवधान) कल हम टी.वी. में सुन रहे थे। वे कहने लगे कि हमारी जांच तो की नहीं, हमें ऐसे ही छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि आपको खांसी नहीं है तो जाओ। इसी तरह से यात्री लोग चले जाते हैं। हमने यह मामला शिव सेना की तरफ से उठाया था कि एयरपोर्ट पर ठीक तरह से जांच नहीं की जा रही है। मंत्री जी, आप इस बारे में ध्यान दें। (व्यवधान)